Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

कोड नं. **29/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारा प्रत्येक विचार, कथन और कार्य हमारे मन-मस्तिष्क पर एक प्रभाव डालता है, जिसे संस्कार कहा जाता है और इन संस्कारों का समष्टि रूप ही चरित्र होता है । 'संस्कार' का शाब्दिक अर्थ है – पूरा करना, सुधारना, माँजना, चमकाना । इस प्रकार संस्कार मानव-जीवन को परिमार्जित, परिष्कृत और सुव्यवस्थित रखने का एक उपक्रम है ।

एक विद्वान् ने कहा है कि व्यक्तित्व-निर्माण की प्रक्रिया में सकारात्मक चिन्तन और नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का संयोजन ही संस्कार कहलाता है । इन संस्कारों की जड़ें अतीत में जमती हैं, वर्तमान में विकास पाती हैं और भविष्य में पल्लवित-पुष्पित होती हैं ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

है कि धर्म आचरण में पलता है और सेवा से व्यापक होता है । इसीलिए उन्होंने यह भी कहा कि चरित्र मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति और सम्पदा है । अनन्त सम्पदाओं का स्वामी होने पर भी यदि मनुष्य चरित्रहीन है तो वह विपन्न ही माना जाएगा ।

हमारे यहाँ संस्कारित और सदाचारी व्यक्ति उसी को कहा गया जिसकी क्रियाएँ विकार के अधीन न होकर विचार के अधीन होती हैं । जो विवेकशील होता है उसके नियंत्रण में इंद्रियाँ रहती हैं, नहीं तो जिस प्रकार दुष्ट घोड़े रथ में बैठे व्यक्ति को संकट में डाल देते हैं उसी प्रकार अनियंत्रित इंद्रियाँ मनुष्य को पतन की ओर ले जाती हैं । जो शरीर, वाणी और मन से संयत है वही व्यक्ति संस्कारी और सदाचारी है । सदाचारी व्यक्ति शुद्ध होता है और जो शुद्ध होता है वही बुद्ध होता है ।

(क) ‘संस्कार’ शब्द को गद्यांश के अनुसार परिभाषित कीजिए । *2*

(ख) संस्कार चरित्र की निर्माण-प्रक्रिया में कैसे सहायक होते हैं ? *2*

(ग) “चरित्र मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति और सम्पदा है ।” – कैसे ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(घ) संस्कारित और सदाचारी मनुष्य की पहचान उसके किन-किन गुणों से होती है ? *2*

(ङ) “संस्कारों की जड़ें अतीत में बसती हैं, वर्तमान में विकास पाती हैं और भविष्य में पल्लवित और पुष्पित होती हैं ।” – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(च) अनन्त सम्पत्ति का स्वामी होते हुए भी व्यक्ति विपन्न कैसे हो सकता है ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(छ) प्रस्तुत गद्यांश को एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ज) निम्नलिखित वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए : *1*

‘अनन्त सम्पदाओं का स्वामी होने पर भी यदि मनुष्य चरित्रहीन है तो वह विपन्न ही माना जाएगा ।’

(झ) निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए : $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$

(i) परिष्कृत

(ii) सुव्यवस्थित

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

। को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

कलम, आज उनकी जय बोल !
जला अस्थियाँ बारी-बारी
छिटकाई जिनने चिनगारी
जो चढ़ गए पुण्यवेदी पर लिए बिना गरदन का मोल ।

जो अगणित लघु दीप हमारे,
तूफ़ानों में एक किनारे,
जल-जल कर बुझ गए किसी दिन माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल ।

पीकर जिनकी लाल शिखाएँ,
उगल रही लू-लपट दिशाएँ,
जिनके सिंहनाद से सहमी धरती रही अभी तक डोल ।

अंधा चकाचौंध का मारा,
क्या जाने इतिहास बिचारा,
साक्षी हैं उनकी महिमा के सूर्य, चंद्र, भूगोल, खगोल !
कलम, आज उनकी जय बोल !

(क) 'गरदन का मोल लेना' का क्या आशय है ?
(ख) कवि ने कलम को ही क्यों संबोधित किया है ?
(ग) 'जो चढ़ गए पुण्यवेदी पर ...' में पुण्यवेदी से क्या अभिप्राय है ?
(घ) इतिहास को अंधा और चकाचौंध का मारा कहने का क्या औचित्य है ?
(ङ) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने 'लघु दीप हमारे' किन्हें कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मेरी बच्ची !
जिस दिन से / मेरी कोख से
तुम्हारी साँसों ने धड़कना शुरू किया है,
कुछ लोगों की नींद उडन-छू हो गई है ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

चाँद, सितारे और मंगल ग्रह को
रौंदने वाला इंसान
तुम्हारे नन्हे से वजूद से — डर गया है ।
अँधेरे कमरे में हो रही है
तुम्हें मिटाने की साज़िश
तुम्हारे दादा, पिता और ताऊ
आँखें बंद किए शोक में मग्न हैं ।

शायद उनकी बंद आँखों में
स्वर्ग न पहुँच पाने का – ख़ौफ़ छाया हुआ है,
या तर्पण और मरने के बाद का भय;
पर मेरी बच्ची !
तमाम विरोधों के बावजूद मैं तुम्हें
जन्म दूँगी
और इस धरती को
तुम्हारी पहचान
और तुम्हें परवान चढ़ने का हक़ भी ।

(क) प्रस्तुत काव्यांश में केंद्रीय विषय क्या है ?

(ख) घर के लोग किस चिन्ता में पड़ गए और क्यों ?

(ग) इक्कीसवीं सदी का उल्लेख कर कवयित्री क्या व्यक्त करना चाहती है ?

(घ) साजिशें किसके विरुद्ध हो रही हैं और क्यों ?

(ङ) काव्यांश में निहित संदेश को अपने शब्दों में लिखिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) देश में भ्रष्टाचार की समस्या

(ख) दिनों-दिन बढ़ती महँगाई

(ग) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

(घ) विज्ञापन का संसार

4. युवा वर्ग में धन की चकाचौंध को लेकर जो अमानवीय भावनाएँ पनप रही हैं, उनकी विवेचना करते हुए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपकी बस्ती और उसके आस-पास ज़ोर-शोर से हो रहे अनधिकृत निर्माण का विवरण और उससे होने वाली असुविधाओं की चर्चा करते हुए राज्य के सार्वजनिक निर्माण-मंत्री को पत्र लिखिए ।

5. टी.वी. पर खबरें किन-किन चरणों से होकर दर्शकों तक पहुँचती हैं ? उन पर प्रकाश डालिए । *5*

अथवा

फ़ीचर क्या है ? एक अच्छे और रोचक फ़ीचर को लिखने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

6. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए : *5*

(क) समाचार-लेखन के छह प्रकार कौन-कौनसे हैं ?

(ख) रेडियो पर समाचार पढ़ने वाले की भाषा की कोई दो विशेषताएँ बताइए ।

(ग) विशेष लेखन से क्या तात्पर्य है ?

(घ) पिरामिड शैली क्या होती है ?

(ङ) वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

राधौ ! एक बार फिरि आवौ ।
ए बर बाजि बिलोकि आपने बहुरो बनहिं सिधावौ ।।
जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज बार-बार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे ।।
सुनहु पथिक ! जो राम मिलहिं बन कहियो मातु सँदेसो ।
तुलसी मोहिं और सबहिन तें इन्हको बड़ो अँदेसो ।।

अथवा

लहरतारा या मडुवाडीह की तरफ़ से
उठता है धूल का एक बवंडर
और इस महान् पुराने शहर की जीभ
किरकिराने लगती है
जो है वह सुगबुगाता है
जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
और पाता है घाट का आख़िरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब-सी नमी है
और एक अजीब-सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन ।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि उसे कवि ने स्नेह भरा, गर्व भरा एवं मदमाता क्यों कहा है ?

(ख) 'निराला' की 'सरोज-स्मृति' कविता की मूल संवेदना को संक्षेप में लिखिए ।

(ग) 'बारहमासा' के आधार पर नागमती की विरह-व्यथा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

इन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) सखि हे ! कि पुछसि अनुभव मोए ।
सेह पिरिति अनुराग बखानिअ तिल-तिल नूतन होय ।।
जनम अबधि हम रूप निहारत नयन न तिरपित भेल ।
से हो मधुर बोल स्रवनहि सूनल स्रुति पथ परस न गेल ।।

(ख) हेम कुंभ ले उषा सवेरे — भरती, ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब — जगकर रजनी-भर तारा ।।

(ग) मैं तुम्हारा विरोधी प्रतिद्वन्द्वी या हिस्सेदार नहीं
मुझे कुछ देकर या न देकर भी तुम
कम-से-कम एक आदमी से तो निश्चिंत रह सकते हो ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

एक पुरानी दंतकथा के अनुसार सिंगरौली का नाम ही 'सृंगावली' पर्वतमाला से निकला है, जो पूर्व-पश्चिम में फैली है । चारों ओर फैले घने जंगलों के कारण यातायात के साधन इतने सीमित थे कि एक ज़माने में सिंगरौली अपने अतुल प्राकृतिक सौंदर्य के बावजूद — 'काला पानी' माना जाता था, जहाँ न लोग भीतर आते थे, न बाहर जाने का जोखिम उठाते थे । किन्तु कोई भी प्रदेश आज के लोलुप युग में अपने अलगाव में सुरक्षित नहीं रह सकता । कभी-कभी किसी इलाक़े की सम्पदा ही उसका अभिशाप बन जाती है ।

अथवा

पन्द्रहवीं-सोलहवीं सदी में हिन्दी साहित्य ने यही भूमिका पूरी की थी । सामन्ती पिंजड़े में बंद मानव-जीवन की मुक्ति के लिए उसने वर्ण और धर्म के सींकचों पर प्रहार किए थे । कश्मीरी ललद्यद, पंजाबी नानक, हिन्दी सूर-तुलसी-मीरा-कबीर, बंगाली चंडीदास, तमिल तिरुवल्लुवर आदि-आदि गायकों ने आगे-पीछे समूचे भारत में उस जीर्ण मानव-संबंधों के पिंजड़े को झकझोर दिया था । इन गायकों की वाणी ने पीड़ित जनता के मर्म को स्पर्श कर उसे नए जीवन के लिए बटोरा, उसे आशा दी, उसे संगठित किया और जहाँ-तहाँ जीवन को बदलने के लिए संघर्ष के लिए आमंत्रित भी किया ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

...से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4+4=8*

(क) 'गंगापुत्र के लिए गंगा मैया ही जीवन और जीविका है' – 'दूसरा देवदास' कहानी में लेखक के इस कथन के आधार पर गंगापुत्रों के जीवन पर प्रकाश डालिए ।

(ख) "कुटज के ये सुन्दर फूल बहुत बुरे तो नहीं हैं । जो कालिदास के काम आया हो, उसे ज़्यादा इज्जत मिलनी चाहिए, मिली कम है ।" – लेखक के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'संवदिया' कहानी में हरगोबिन के चरित्र की किन-किन विशेषताओं को दर्शाया गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

12. घनानंद **अथवा** रघुवीर सहाय के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *6*

अथवा

भीष्म साहनी **अथवा** रामचंद्र शुक्ल की जीवनी, रचनाओं का संक्षिप्त उल्लेख करते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

खण्ड घ

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर 'अन्तराल' के आधार पर दीजिए : *2+2=4*

(क) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में 'कोइयाँ' किसे कहा गया है ? उसकी किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ख) 'आरोहण' कहानी में रूपसिंह को घर लौटते समय एक अजीब क़िस्म की लाज, अपनत्व और झिझक क्यों हो रही थी ?

(ग) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई ? कारण स्पष्ट कीजिए ।

14. 'सूरदास की झोंपड़ी' कहानी के माध्यम से मुंशी प्रेमचंद किन जीवन-मूल्यों का संदेश दे रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए । *5*

15. पहाड़ों में रहने वालों को जीवनयापन के लिए किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? 'आरोहण' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए । *6*

अथवा

'अपना मालवा' में लेखक ने औद्योगिक सभ्यता से उत्पन्न किस विनाश की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया है और क्यों ? विस्तार से वर्णन कीजिए ।

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects